अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान बना साइबर सुरक्षा का मॉडल
2.	विश्व का पहला 'थ्री-वे हाइब्रिड बाजरा' : RHB 273
3.	राजस्थान में मकड़ी की नई प्रजाति : मोग्रस शुष्का
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी : 'संत कबीर दास समाज रत्न सम्मान - 2026' 2. 'ईस्टर्न ग्रैंडस्लैम - 2026 स्क्वैश चैंपियनशिप' में राजस्थान 3. जोधपुर में खुलेगा 'देश का तीसरा ट्रॉपिकल मेडिसिन संस्थान' 4. ओपन डी पेरिस-डैनियल फेओ पोलो टूर्नामेंट : जयपुर की टीम विजेता 5. उदय श्रेयस स्कॉलरशिप योजना 6. छीतर मल बलाई 7. राजस्थान के पाँच तीरंदाजों का भारतीय टीम में चयन 8. पांचना बाँध जल विवाद 9. राजस्थान पुलिस की नई पहल : 'अक्षय फंड'
5.	परियोजना ब्रह्मांक
6.	ज्ञान साझाकरण हेतु डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा)
7.	सुमन रोडमैप 2030
8.	आयुष्मान सारथी चैटबॉट
9.	भारत और मॉरीशस संबंध
10.	प्रधानमंत्री मोदी की सेशेल्स यात्रा
11.	ऑपरेशन अमिस्ताद
12.	अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान बना साइबर सुरक्षा का मॉडल

चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2025 में राजस्थान ने साइबर ठगों द्वारा ठगी गई राशि को फ्रीज करवाने के मामले में देशभर में 5वाँ स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर ठगी की रोकथाम के लिए विभिन्न ऑपरेशन और अभियान संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें प्रमुख हैं - ऑपरेशन म्यूल अकाउंट एवं POS, ऑपरेशन साइबर शील्ड, ऑपरेशन एंटी वायरस और ऑपरेशन वज्र प्रहार।
- इन ऑपरेशन्स के दौरान तकनीकी टीम ने करीब 2.5 लाख संदिग्ध मोबाइल नंबर और IMEI ब्लॉक किए। साथ ही, म्यूल अकाउंट्स की पहचान कर उन्हें फ्रीज किया गया।

- वर्तमान में राजस्थान के सभी 41 राजस्व जिलों में पूर्णत: क्रियाशील साइबर पुलिस थाने मौजूद हैं। इसके साथ ही प्रदेश के हर स्थानीय पुलिस थाने में साइबर हेल्पडेस्क स्थापित की गई है।
- राजस्थान साइबर सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर '1930' है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **राजस्थान का पहला साइबर सपोर्ट सेंटर :** 24 मई, 2025 को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में 'राजस्थान के पहले साइबर सपोर्ट सेंटर' की शुरुआत की गई। यह साइबर सपोर्ट सेंटर 'रेस्पोन्सिबल नेटिज़न्स एवं कोग्टा फाउंडेशन' द्वारा संचालित किया जा रहा है।
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की वर्ष 2022 की 'क्राइम इन इंडिया' रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वर्ष 2022 में साइबर अपराध के तहत 65,893 मामले दर्ज किए गए, जो वर्ष 2021 में 52,974 मामलों की तुलना में 24.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।
- **भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (I4C) :** देश में सभी प्रकार के साइबर अपराध से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के तहत 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (I4C) की स्थापना की गई है।

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न

Q.1. वर्ष 2025 में साइबर ठगों द्वारा ठगी गई राशि को फ्रीज करवाने के मामले में राजस्थान ने देशभर में कौन-सा स्थान प्राप्त किया?

(a) तीसरा स्थान (b) चौथा स्थान
(c) पाँचवाँ स्थान (d) सातवाँ स्थान

Q.2. राजस्थान में साइबर ठगी की रोकथाम के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा ऑपरेशन/अभियान संचालित किया जा रहा है?

(a) ऑपरेशन साइबर शील्ड (b) ऑपरेशन एंटी वायरस
(c) ऑपरेशन वज्र प्रहार (d) उपर्युक्त सभी

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

विश्व का पहला 'थ्री-वे हाइब्रिड बाजरा' : RHB 273

चर्चा में क्यों?

- दुर्गापुरा (जयपुर) स्थित राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा ICRISAT, हैदराबाद के सहयोग से विश्व के पहले थ्री-वे हाइब्रिड बाजरा 'RHB 273' का विकास किया।

मुख्य बिन्दु:

- नव विकसित बाजरे की यह किस्म ना केवल सूखे से लड़ने में सक्षम है, बल्कि पैदावार और पोषण में भी परंपरागत किस्मों से बेहतर है।
- **विकास :** इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स (ICRISAT), हैदराबाद तथा राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा (जयपुर) द्वारा।
- **विमोचन :** RHB 273 का विमोचन 4 जनवरी, 2026 को केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भारत में 25 फसलों की 184 बेहतर किस्मों के साथ किया गया।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **श्री-वे हाइब्रिड :** पारंपरिक बाजरा हाइब्रिड के उलट जिनमें दो पेरेंट्स होते हैं, थ्री-वे हाइब्रिड में तीन पेरेंट लाइनें होती हैं, जिससे ज़्यादा पैदावार, सूखे को सहने की क्षमता और चारे की बेहतर क्वालिटी जैसी खूबियों को एकीकृत किया जाता है।
- हाइब्रिड बाजरा 'RHB 273' की खेती राजस्थान के अतिरिक्त गुजरात और हरियाणा के अति-शुष्क क्षेत्रों में की जा सकेगी, जहाँ वार्षिक वर्षा 400 मिमी से कम होती है।
- RHB 273 से तीन राज्यों में 30 स्थानों पर तीन साल की मल्टी-लोकेशन टेस्टिंग से औसतन 2,230 kg/ha उत्पादन हुआ, जो क्षेत्रीय किस्मों की तुलना में लगभग 13 से 27 प्रतिशत ज़्यादा था।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **बाजरा उत्पादन में राजस्थान :** प्रथम स्थान पर (44.66 फीसदी की हिस्सेदारी)।
- **राजस्थान में बाजरा की प्रमुख किस्में :** RAJ – 171, RCB – 2, RCB – 911, RHB – 30
- **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मिलेट्स :** जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय।
- **बाजरा अनुसंधान केंद्र :** गुड़ामालानी (बाड़मेर)
- राजस्थान में मिलेट्स प्रोत्साहन हेतु राज्य बजट 2022-23 में प्रथम कृषि बजट में घोषित कृषि के 11 मिशनों में 'राजस्थान मिलेट्स प्रोत्साहन मिशन' लॉन्च किया गया।

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न

Q.1. विश्व के पहले थ्री-वे हाइब्रिड बाजरा 'RHB 273' का विकास किन संस्थानों के सहयोग से किया गया है?

(a) ICAR, नई दिल्ली और कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
(b) ICRISAT, हैदराबाद और राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा
(c) CIMMYT, मेक्सिको और राजस्थान कृषि विभाग
(d) कृषि विज्ञान केंद्र, बाड़मेर और IARI, नई दिल्ली

Q.2. बाजरा उत्पादन में राजस्थान की देश में क्या स्थिति है?

(a) प्रथम स्थान (b) द्वितीय स्थान
(c) तृतीय स्थान (d) चतुर्थ स्थान

राजस्थान में मकड़ी की नई प्रजाति : मोग्रस शुष्का

चर्चा में क्यों?

- प्राणिविज्ञान शोधकर्ताओं की एक टीम ने राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में पाई जाने वाली जंपिंग स्पाइडर की एक नई प्रजाति की खोज की।

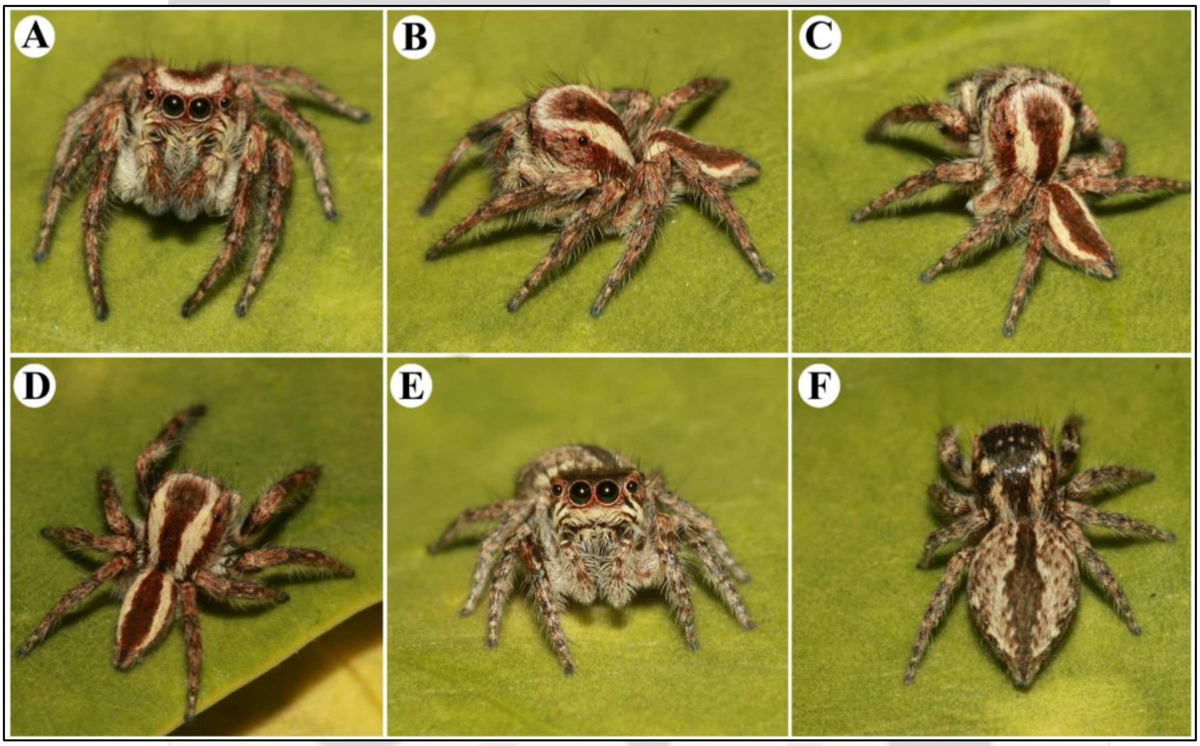

मुख्य बिन्दु:

- **नामकरण :** खोजी गई नई प्रजाति का नाम 'मोग्रस शुष्का' रखा गया है। 'शुष्का' नाम संस्कृत शब्द 'शुष्क' से लिया गया है।
- **प्रकाशन :** यूरोपियन जर्नल ऑफ टैक्सोनॉमी में प्रकाशित।
- **नमूना एकत्रण :** मुख्य नमूना (होलोटाइप) निमाज (छत्रसागर, ब्यावर) और डेज़र्ट नेशनल पार्क, जैसलमेर से एकत्रित किए गए।
- **आवास :** यह प्रजाति मुख्य रूप से राजस्थान और गुजरात के शुष्क क्षेत्रों में पाई जाती है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **महत्त्व :** थार रेगिस्तान में इन मकड़ियों की उपस्थिति राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों और व्यापक एफ्रो-एशियाई रेगिस्तानी क्षेत्रों के बीच एक मजबूत पारिस्थितिक संबंध को उजागर करती है।
- **अन्य प्रजाति :** शोधकर्ताओं की टीम को 'मोग्रस लारिसे' नामक एक अन्य प्रजाति भी मिली जिसे भारत में पहली बार दर्ज किया गया।

राजस्थान में सम्पन्न अन्य खोजें:

- **लैंगेलुरिलस उदयपुरेंसिस (खोज - 2024) :** जम्पिंग स्पाइडर की एक प्रजाति जिसकी खोज उदयपुर के सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में की गई।
- **प्यूसेटिया छापराजनिर्विन (खोज - 2024) :** चूरू स्थित ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य में खोजी गई ग्रीन लिंक्स मकड़ी।
- **स्यूडोमोग्रस सुधी (खोज - 2022) :** डेजर्ट नेशनल पार्क में खोजी गई जंपिंग स्पाइडर की एक प्रजाति। इस प्रजाति का नाम प्रसिद्ध भारतीय मकड़ी विज्ञानी (Arachnologist) सुधीकुमार ए.वी. के नाम पर रखा गया है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी : 'संत कबीर दास समाज रत्न सम्मान - 2026'** ■ हाल ही में, शिक्षाविद्, साहित्यकार और समाजसेवी प्रो. डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को 'संत कबीर दास समाज रत्न सम्मान – 2026' से सम्मानित किया गया। ■ **प्रदानकर्ता :** बृज लोक साहित्य कला संस्कृति अकादमी (न्यास) एवं संत कबीर दास संस्था, इटावा (उत्तर प्रदेश)। ■ **संबंधित जिला :** जयपुर।
2.	**'ईस्टर्न ग्रैंडस्लैम - 2026 स्क्वैश चैंपियनशिप' में राजस्थान** ■ रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित 'ईस्टर्न ग्रैंडस्लैम - 2026 स्क्वैश चैंपियनशिप' में राजस्थान स्क्वैश अकादमी के खिलाड़ियों ने कुल 5 पदक (1 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य) जीते। ■ **स्वर्ण पदक विजेता :** बॉयज अंडर-13 वर्ग के फाइनल में धैर्य गोगिया ने महाराष्ट्र के एरन आरंभन को हराकर। ■ **आयोजन तिथि :** 22 से 27 जून 2026। ■ **स्थान :** स्क्वैश कॉम्प्लेक्स, रायपुर (छत्तीसगढ़)।
3.	**जोधपुर में खुलेगा 'देश का तीसरा ट्रॉपिकल मेडिसिन संस्थान'** ■ जोधपुर के डॉ. एसएन चिकित्सा महाविद्यालय में 'देश का तीसरा ट्रॉपिकल मेडिसिन संस्थान' स्थापित किया जाएगा। ■ उष्णकटिबंधीय बीमारियाँ (Tropical Diseases) वे संक्रामक रोग हैं, जो मुख्य रूप से पृथ्वी के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में फैलती हैं। ■ इन क्षेत्रों का गर्म और आर्द्र वातावरण मच्छरों, मक्खियों और अन्य परजीवियों के पनपने के लिए सबसे अनुकूल होता है। ■ विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, इनमें से कई बीमारियों को "उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग" (Neglected Tropical Diseases - NTDs) की श्रेणी में रखा गया है, क्योंकि ये मुख्य रूप से गरीब और विकासशील समुदायों को प्रभावित करती हैं।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

4.

ओपन डी पेरिस-डैनियल फेओ पोलो टूर्नामेंट : जयपुर की टीम विजेता

- पेरिस (फ्रांस) में आयोजित 'ओपन डी पेरिस-डैनियल फेओ पोलो टूर्नामेंट' के 132वें संस्करण में 'सेंट मेस्मे जयपुर' टीम ने खिताब अपने नाम किया।
- फाइनल में सेंट मेस्मे जयपुर ने बैरन डी'एवेला टीम को 10-8 से हराया।

5.

उदय श्रेयस स्कॉलरशिप योजना

- राजस्थान चार्टर्ड अकाउंटेंट्स फाउंडेशन (RCA फाउंडेशन) ने आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी छात्रों को चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) बनने में मदद करने के लिए 'उदय श्रेयस स्कॉलरशिप योजना' शुरू की।
- यह पूरी तरह से नि:शुल्क (Zero Cost), आवासीय और मेंटरशिप-आधारित प्रोग्राम है।

6.

छीतर मल बलाई

- जयपुर की जगतपुरा शूटिंग रेंज में आयोजित 24वीं राजस्थान स्टेट राइफल-पिस्टल चैंपियनशिप (2026) में 64 साल के छीतर मल बलाई ने 50 मीटर पिस्टल सीनियर मास्टर पुरुष वर्ग (व्यक्तिगत स्पर्धा) में स्वर्ण पदक जीता।

7.

राजस्थान के पाँच तीरंदाजों का भारतीय टीम में चयन

- भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून, 2026 तक सोनीपत में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान के पाँच तीरंदाजों का दुबई में आयोजित होने वाली 'एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप' के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ।
- **सब-जूनियर रिकर्व बालक वर्ग :** अनुज कुमार।
- **सब-जूनियर कंपाउंड बालक वर्ग :** आर्यन पारीक।
- **जूनियर रिकर्व महिला वर्ग :** प्रांजल ठोलिया और खुशी कुमावत।
- **जूनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग :** सचिन चेची।

8.	**पाँचना बाँध जल विवाद** ▪ करौली जिले में स्थित पांचना बाँध के 20 वर्ष पुराने जल विवाद का समाधान हुआ। ▪ जयपुर के शिक्षा संकुल में एक हाई-लेवल बैठक में राजस्थान सरकार और प्रदर्शनकर्ताओं के बीच लिखित समझौता संपन्न हुआ। ▪ उल्लेखनीय है कि 2100 एमसीएफटी क्षमता के पाँचना बाँध से लगभग 10,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है, किंतु वर्ष 2006 के बाद से बाँध से कमांड क्षेत्र की नहरों में जल प्रवाह नहीं हो रहा था। ▪ गुडला सहित क्षेत्र के 21 राजस्व गाँव लगातार यह माँग कर रहे थे कि बाँध से लिफ्ट सिंचाई परियोजना के माध्यम से उन्हें पानी उपलब्ध कराया जाए, तभी नहरों में जल प्रवाह की अनुमति दी जाए। ▪ राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट में गुडला क्षेत्र के इन 21 राजस्व गाँवों को लिफ्ट सिंचाई स्कीम के माध्यम से पानी दिए जाने की घोषणा की थी।
9.	**राजस्थान पुलिस की नई पहल : 'अक्षय फंड'** ▪ राजस्थान पुलिस की नई पहल 'अक्षय फंड' की शुरुआत सवाई माधोपुर जिले की पुलिस अधीक्षक (SP) ज्येष्ठा मैत्रेयी द्वारा की गई है। ▪ इस अभिनव योजना का मुख्य उद्देश्य ड्यूटी के दौरान या सेवाकाल में किसी पुलिसकर्मी के आकस्मिक निधन होने पर उसके परिवार को तुरंत वित्तीय सहायता पहुँचाना है।

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न

Q.1. हाल ही में (जून, 2026), प्रो. डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को किस सम्मान से सम्मानित किया गया?

(a) राजस्थान साहित्य रत्न सम्मान – 2026
(b) संत कबीर दास समाज रत्न सम्मान – 2026
(c) बृज साहित्य गौरव सम्मान – 2026
(d) जयपुर समाज सेवा सम्मान – 2026

Q.2. ईस्टर्न ग्रैंडस्लैम – 2026 स्क्वैश चैंपियनशिप में राजस्थान स्क्वैश अकादमी के खिलाड़ियों ने कुल कितने पदक जीते?

(a) 3 पदक
(b) 4 पदक
(c) 5 पदक
(d) 7 पदक

Q.3. देश का तीसरा ट्रॉपिकल मेडिसिन संस्थान राजस्थान में कहाँ स्थापित किया जाएगा?

(a) एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर
(b) आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर
(c) डॉ. एसएन चिकित्सा महाविद्यालय, जोधपुर
(d) जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर

Q.4. हाल ही में चर्चा में रहा 'पाँचना बाँध' किस जिले में स्थित है?

(a) जयपुर
(b) करौली
(c) सवाई माधोपुर
(d) टोंक

राष्ट्रीय परिदृश्य

परियोजना ब्रह्मंक

चर्चा में क्यों?

- बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) की परियोजना ब्रह्मंक ने 29 जून, 2026 को अरुणाचल प्रदेश के राणाघाट में अपना 16वाँ स्थापना दिवस मनाया।

मुख्य बिन्दु:

परियोजना ब्रह्मंक

- ब्रह्मंक परियोजना एक अत्यधिक विशिष्ट, अग्रिम तैनाती वाली इंजीनियरिंग और अवसंरचना विकास इकाई है।
- **मूल संगठन:** यह बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के सीधे अधीन कार्य करता है ।

उद्देश्य:

- भारतीय सशस्त्र बलों की तीव्र अग्रिम गति सुनिश्चित करने के लिए, हर मौसम में काम करने योग्य संचार लाइनों का निर्माण, उन्नयन और रखरखाव करना।
- सीमावर्ती क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने के लिए, कटे हुए सीमावर्ती चौकियों और दूरस्थ आदिवासी सीमावर्ती गाँवों को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ना।

MCQ

Q. परियोजना ब्रह्मंक किस प्रकार की इकाई है?

A. कृषि अनुसंधान इकाई

B. जल संसाधन विकास इकाई

C. अत्यधिक विशिष्ट अग्रिम तैनाती वाली इंजीनियरिंग एवं अवसंरचना विकास इकाई

D. रक्षा उत्पादन इकाई

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

योजनाएँ एवं नीतियाँ

ज्ञान साझाकरण हेतु डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा)

चर्चा में क्यों?

- ज्ञान साझाकरण हेतु डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा) विद्यालयी शिक्षा के लिए भारत के "एक राष्ट्र, एक डिजिटल मंच" के रूप में उभरा है, जो देशभर के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पाठ्यक्रम-आधारित डिजिटल शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराता है।

मुख्य बिन्दु:

परिचय

- दीक्षा मंच का शुभारंभ वर्ष 2017 में किया गया था। इसका विकास राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से किया है।
- यह आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (FLN) से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा का समर्थन करता है तथा इसे लगभग सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के शिक्षा बोर्डों ने अपनाया है।
- दीक्षा मंच पर वीडियो, 2D एवं 3D चलचित्र, ऑग्मेंटेड रियलिटी (AR) आधारित सामग्री, अनुकरण,वर्चुअल लैबोरेट्रीज, त्वरित प्रतिक्रिया क्यूआर कोडेड एनरजाइज्ड टेक्स्टबुक्स तथा अंतःक्रियात्मक शिक्षण सामग्री उपलब्ध है।
- यह मंच निष्ठा कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता निर्माण का भी समर्थन करता है तथा संघीय संरचना का पालन करता है।

MCQ:

Q. यदि कोई शिक्षक QR कोड युक्त पाठ्यपुस्तक के माध्यम से विद्यार्थियों को वीडियो, AR सामग्री तथा वर्चुअल लैब का उपयोग कराना चाहता है, तो उसके लिए सबसे उपयुक्त मंच कौन-सा होगा?

A. SWAYAM B. DIKSHA
C. eNAM D. DigiLocker

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

सुमन रोडमैप 2030

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद के 16वें सम्मेलन के दौरान 'सुमन रोडमैप 2030' का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

सुमन रोडमैप 2030

- सुमन (सुरक्षित मातृत्व आश्वासन) रोडमैप 2030 एक बहुआयामी, डेटा आधारित राष्ट्रीय स्वास्थ्य रणनीति है।
- एक ही मॉडल को सर्वव्यापी रूप से लागू करने की बजाय, यह एक विशिष्ट परिचालन मैट्रिक्स के रूप में कार्य करता है जिसे स्थानीय स्तर पर तकनीक-आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों के माध्यम से रोकी जा सकने वाली मातृ एवं नवजात मृत्यु को समाप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **मंत्रालय:** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW), भारत सरकार।

उद्देश्य:

- **भारत के एमएमआर को आक्रामक रूप से कम करने के लिए प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 70 से कम 2030 तक, यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।**
- **नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) दोनों में भारी कमी लाने के लिए।**
- **भारत के प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में सभी गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए सार्वभौमिक, न्यायसंगत और उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित करना।**

MCQS

Q. **कारक (A): सुमन रोडमैप 2030 स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार स्वास्थ्य हस्तक्षेपों पर बल देता है।**

कारण (R): भारत के विभिन्न राज्यों में मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ समान नहीं हैं।

कूट:

A. A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

B. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

C. A सही है, R गलत है।

D. A गलत है, R सही है।

आयुष्मान सारथी चैटबॉट

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के लिए एक आधिकारिक व्हाट्सएप चैटबॉट 'आयुष्मान सारथी' लॉन्च किया।

मुख्य बिन्दु:

आयुष्मान सारथी चैटबॉट

- आयुष्मान सारथी एक सुरक्षित, एपीआई-आधारित डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य इंटरफ़ेस है जो व्हाट्सएप पर संचालित होता है।
- यह नागरिकों को अपने मोबाइल फोन पर सरल, स्वचालित संदेशों के आदान-प्रदान के माध्यम से पीएम-जेएवाई प्रणालियों के साथ सीधे संवाद करने में सक्षम बनाता है।

नोडल मंत्रालय:

- **मंत्रालय:** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW), भारत सरकार।
- **निष्पादन निकाय:** राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा विकसित और निगरानी की जाती है ।

उद्देश्य:

- एक ऐसा सुलभ और संवादात्मक मंच प्रदान करना जो नागरिकों को बुनियादी कार्ड प्रबंधन के लिए सरकारी कार्यालयों या कॉल सेंटरों में शारीरिक रूप से जाने की आवश्यकता को समाप्त कर दे।
- प्रत्येक पात्र परिवार को नागरिक-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएँ सुरक्षित और वास्तविक समय में प्रदान करना सुनिश्चित करना, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना।

MCQS

Q. यदि किसी नागरिक को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) से संबंधित जानकारी तुरंत चाहिए, तो आयुष्मान सारथी चैटबॉट का सबसे बड़ा लाभ क्या होगा?

A. बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराना

B. सरल और स्वचालित डिजिटल संवाद उपलब्ध कराना

C. ऑफलाइन आवेदन करना

D. अस्पताल निर्माण करना

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत और मॉरीशस संबंध

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने सेशेल्स के स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय दिवस समारोह के अवसर पर माहे के विक्टोरिया में मॉरीशस के अपने समकक्ष से भेंट की।

मुख्य बिन्दु:

- दोनों नेताओं ने समुद्री सुरक्षा, विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, व्यापार, संपर्क-सुविधा तथा जन-से-जन संबंधों में सहयोग को और सुदृढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत और मॉरीशस के बीच घनिष्ठ संबंधों का आधार—

- साझा इतिहास एवं सभ्यतागत संबंध
- भारतीय प्रवासी समुदाय का जुड़ाव
- हिन्द महासागर में समुद्री एवं सामरिक अभिसरण
- विकास साझेदारी
- साझा लोकतांत्रिक मूल्य
- क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) की भारत की परिकल्पना तथा पड़ोसी प्रथम नीति में मॉरीशस का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है।

मॉरिशस गणराज्य

- यह हिंद महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है, जो अफ्रीका के दक्षिण-पूर्वी तट से लगभग 2,000 किलोमीटर दूर है।
- **राजधानी:** पोर्ट लुईस (Port Louis)

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

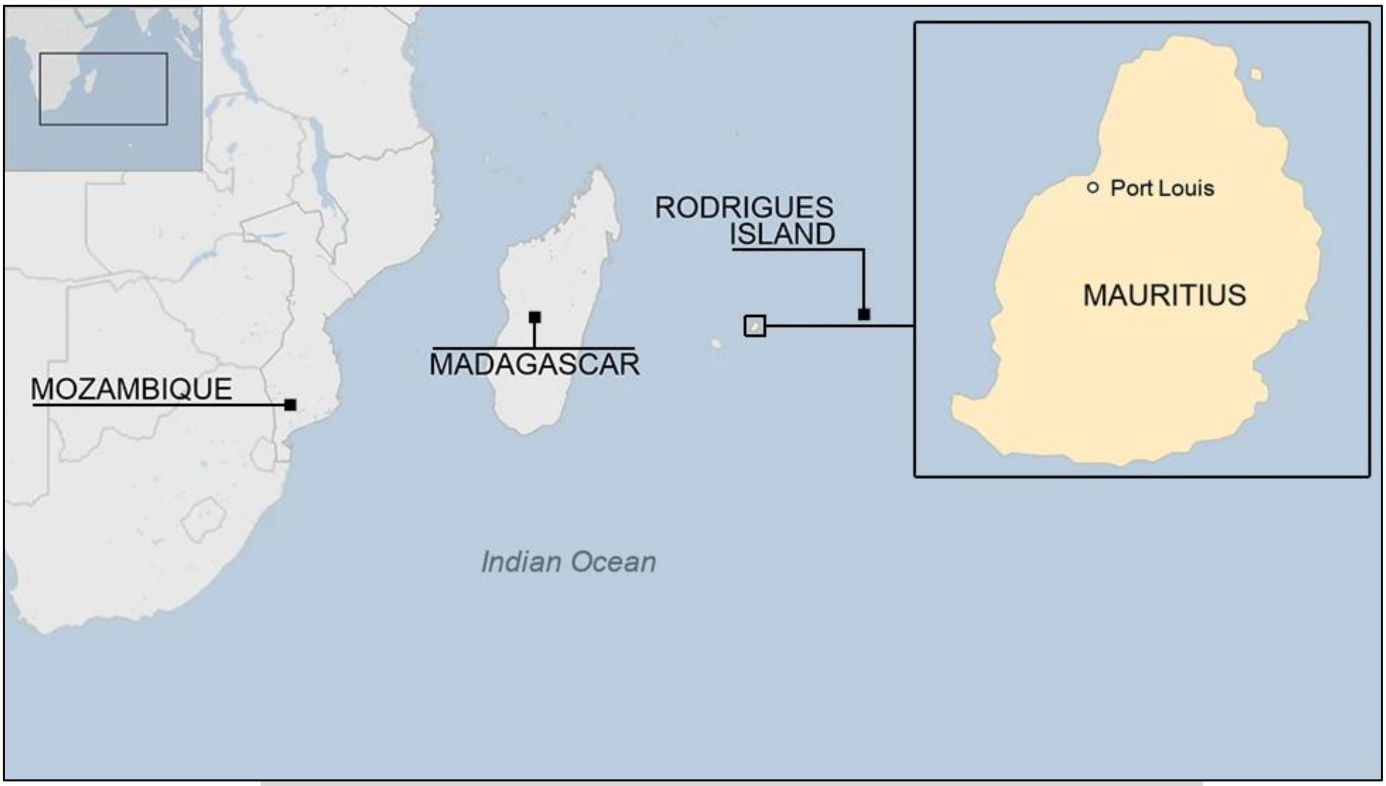

भारत–मॉरीशस संबंधों के प्रमुख स्तंभ

- **राजनीतिक संबंध: भारत और मॉरीशस के बीच नियमित रूप से उच्च-स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान होता रहता है।**
- **हाल ही में दोनों पक्षों ने विकास साझेदारी का विस्तार, समुद्री सहयोग को सुदृढ़ करने, हिन्द महासागर में क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने तथा आर्थिक सहभागिता को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।**

सामरिक एवं समुद्री सहयोग:

समुद्री सुरक्षा:

- **मॉरीशस के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की संयुक्त निगरानी।**
- **भारतीय नौसेना द्वारा जलसर्वेक्षण।**
- **तटीय रडार प्रणाली की स्थापना।**
- **समुद्री क्षेत्र संबंधी जागरूकता हेतु सूचनाओं का आदान-प्रदान।**

रक्षा सहयोग:

- भारत, मॉरीशस के रक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण, रक्षा उपकरणों की आपूर्ति, भारतीय सैन्य सलाहकारों की तैनाती तथा संयुक्त सैन्य अभ्यास एवं संयुक्त गश्त के माध्यम से सहयोग प्रदान करता है।

सागर सिद्धांत:

- मॉरीशस, भारत की सभी के लिए क्षेत्र में सुरक्षा और विकास (सागर) की परिकल्पना, हिन्द-प्रशांत महासागर पहल तथा महासागर दृष्टि का प्रमुख आधार है।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध

- **द्विपक्षीय व्यापार (वित्तीय वर्ष 2024–25):** 88.725 करोड़ अमेरिकी डॉलर (कुल व्यापार)
- **भारत का मॉरीशस को निर्यात:** 67.634 करोड़ अमेरिकी डॉलर
- **मॉरीशस का भारत को निर्यात:** 21.091 करोड़ अमेरिकी डॉलर
- **व्यापक आर्थिक सहयोग एवं साझेदारी समझौता(CECPA):** इस पर 2021 में हस्ताक्षर किए गए। यह किसी अफ्रीकी देश के साथ भारत का पहला व्यापार समझौता है।
- **वित्तीय एवं निवेश संबंध:** ऐतिहासिक रूप से मॉरीशस भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रमुख स्रोत रहा है।
- इसके प्रमुख कारण अनुकूल कर व्यवस्था तथा दोहरे कराधान से बचाव समझौता (Double Taxation Avoidance Agreement -DTAA) रहे हैं।
- 2016 में इस समझौते में संशोधन का उद्देश्य संधि के अनुचित लाभ, धन की पुनर्प्रविष्टि तथा कर चोरी पर रोक लगाना था।

विकास साझेदारी:

- मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना
- नया उच्चतम न्यायालय भवन
- कान-नाक-गला चिकित्सालय(ENT Hospitals)
- सामाजिक आवास परियोजनाएँ: शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक अवसंरचना तथा खेल जैसे क्षेत्रों में अनेक लघु परियोजनाएँ कार्यान्वित की गई हैं।

RAS MAINS MODEL QUESTION:

Q. भारत-मॉरीशस संबंधों का निम्नलिखित आयामों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए—

- राजनीतिक
- सामरिक
- समुद्री सुरक्षा
- आर्थिक
- विकास साझेदारी
- प्रवासी भारतीय
- क्षेत्रीय सहयोग

UTKARSH CIVIL SERVICES

प्रधानमंत्री मोदी की सेशेल्स यात्रा

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेशेल्स के 50वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने हेतु सेशेल्स की यात्रा की।

मुख्य बिन्दु:

यात्रा की प्रमुख विशेषताएँ

- **विकास साझेदारी:** भारत ने सेशेल्स में प्राथमिकता वाली आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए 1,250 करोड़ रुपये की ऋण सहायता प्रदान की।
- **समुद्री सुरक्षा:** भारत ने सेशेल्स की तटीय सुरक्षा एवं निगरानी क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए एक तीव्र गश्ती पोत, 10 उपयोगी वाहन तथा 5 लेज़र रेडियल नौकाएँ प्रदान कीं।
- **डिजिटल संपर्क:** भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) के साथ हुए समझौते के अंतर्गत सेशेल्स में एकीकृत भुगतान इंटरफेस लागू किया जाएगा, जिससे निर्बाध डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा।
- **क्षमता निर्माण:** दोनों देशों ने सेसेल फ्रेमवर्क के अंतर्गत तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कौशल विकास तथा अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में सहयोग का विस्तार करने पर सहमति व्यक्त की।
- **नीली अर्थव्यवस्था:** सहयोग का केंद्र समुद्री संसाधनों का प्रबंधन, सतत मत्स्य पालन, महासागर विज्ञान तथा समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग पर रहेगा।

भारत-सेशेल्स सहयोग के प्रमुख क्षेत्र—

- आधारभूत संरचना,आवास,परिवहन,शिक्षा, स्वास्थ्य,क्षमता निर्माण।
- वर्ष 2026 में भारत ने सेशेल्स के लिए 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की।

- दोनों देशों ने सेसेल ज्वाइंट विजन (SESEL Joint Vision) को भी अपनाया, जिसका उद्देश्य सतत विकास, आर्थिक वृद्धि तथा सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करना है।

व्यापार एवं अर्थव्यवस्था:

- अप्रैल 2024 से फ़रवरी 2025 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 7.292 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा।
- **भारत का निर्यात:** 6.864 करोड़ अमेरिकी डॉलर
- **भारत का आयात:** 42.8 लाख अमेरिकी डॉलर

ऊर्जा सहयोग:

- 2017 में फ्रेमवर्क समझौते का अनुमोदन करने के बाद सेशेल्स अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का संस्थापक सदस्य बना।
- 2024 में प्रास्लिन द्वीप पर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के सहयोग से सौर ऊर्जा संचालित शीत भंडारण सुविधा का उद्घाटन किया गया।

बहुपक्षीय सहयोग:

- इंडियन ओशन रिम एशोशिएशन (IORA)
- इंडियन ओशन कमीशन (भारत इसका विकास साझेदार है)
- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन
- आपदा-प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन(CDRI)

जन-से-जन संबंध:

- भारतीय प्रवासी समुदाय ने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापारिक संबंधों तथा दीर्घकालिक सद्भाव को सुदृढ़ करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

RAS MAINS MODEL QUESTION:

Q. मान लीजिए कि हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री डकैती, अवैध मत्स्यन तथा बाहरी शक्तियों की बढ़ती सक्रियता क्षेत्रीय स्थिरता के लिए चुनौती बन जाती है।

ऐसी स्थिति में—

(A) भारत और सेशेल्स किस प्रकार संयुक्त रूप से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं?

(B) भारत की समुद्री कूटनीति में सेशेल्स का क्या महत्त्व है?

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

ऑपरेशन अमिस्ताद

चर्चा में क्यों?

- वेनेज़ुएला में आए विनाशकारी भूकम्पों के बाद भारत ने राहत एवं बचाव कार्यों में सहायता के लिए ऑपरेशन अमिस्ताद प्रारम्भ किया।

मुख्य बिन्दु:

परिचय

- अमिस्ताद, जिसका स्पेनीश भाषा में अर्थ "मित्रता" होता है, भारत का मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान है।
- भारत सबसे पहले सहायता पहुँचाने वाले देशों में शामिल था, जो "वसुधैव कुटुम्बकम्" के सिद्धांत के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

MCQ:

Q. निम्नलिखित में से सही युग्म चुनिए:

A. ऑपरेशन अमिस्ताद — भूकम्प राहत अभियान

B. ऑपरेशन अमिस्ताद — सैन्य युद्ध अभियान

C. ऑपरेशन अमिस्ताद — अंतरिक्ष मिशन

D. ऑपरेशन अमिस्ताद — समुद्री व्यापार समझौता

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन

चर्चा में क्यों?

- बांग्लादेश आधिकारिक तौर पर इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) में 27वें सदस्य देश के रूप में शामिल हो गया है।

मुख्य बिन्दु:

बांग्लादेश:

- **राष्ट्रीय राजधानी:** ढाका।
- **सीमावर्ती राष्ट्र:** भारत, म्यांमार और बंगाल की खाड़ी।

प्रमुख भूवैज्ञानिक विशेषताएँ:

- **गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना डेल्टा:**
  - o **समतल जलोढ़ मैदान:** बांग्लादेश का 80% से अधिक भाग पद्मा, जमुना और मेघना नदियों द्वारा निर्मित उपजाऊ जलोढ़ मैदानों से बना है, जो इसे दुनिया की सबसे बड़ी डेल्टा प्रणालियों में से एक बनाता है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **तृतीयक पर्वतीय और ऊंचे भूभाग:**
  - **चटगांव हिल ट्रैक्ट्स:** बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित यह ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी क्षेत्र म्यांमार की सीमा से सटा हुआ है और यहाँ कई स्वदेशी आदिवासी समुदाय निवास करते हैं।
  - **सिलहट पहाड़ियाँ:** बांग्लादेश के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित, इन लहरदार पहाड़ियों में भारी वर्षा होती है और ये अपने व्यापक चाय बागानों के लिए प्रसिद्ध हैं।

बांग्लादेश की बड़ी बिल्लियाँ:

- रॉयल बंगाल टाइगर
- भारतीय तेंदुआ
- **अन्य जंगली बिल्लियाँ:** बांग्लादेश में क्लाउडेड लेपर्ड, फिशिंग कैट, जंगल कैट और लेपर्ड कैट जैसी प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं, जो इसके जंगलों, आर्द्रभूमियों और संरक्षित क्षेत्रों में निवास करती हैं।

MCQ

Q. निम्नलिखित में से कौन-सा देश हाल ही में इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA) का 27वाँ सदस्य बना है?

A. नेपाल

B. श्रीलंका

C. बांग्लादेश

D. भूटान